न्यूज़लेटर

जून 2026

छात्रों की गूंज

शिक्षा बचाओ, भविष्य बचाओ

राहुल गांधी ने कोटा में छात्रों का एक देशव्यापी अभियान शुरू किया, जिसका मकसद हमारी शिक्षा व्यवस्था के संकट को उजागर करना और युवाओं के भविष्य को बचाना था। इस बात पर ज़ोर देते हुए कि यह कोई राजनीतिक कार्यक्रम नहीं है, उन्होंने छात्रों के सामने आ रही चुनौतियों पर ध्यान दिया, जैसे करियर के सीमित विकल्प, कड़ी प्रतिस्पर्धा और दबाव, और भारी-भरकम आर्थिक बोझ। उन्होंने बताया कि अकेले NEET कोचिंग पर ही माता-पिता 1.3 लाख करोड़ रुपये खर्च कर रहे हैं, जो केंद्र सरकार के कुल शिक्षा बजट के बराबर है।

इस कार्यक्रम के दौरान, राहुल गांधी ने प्रभावित छात्रों और उनके माता-पिता से भी बातचीत की। उन्होंने युवाओं को शिक्षा व्यवस्था को बेहतर बनाने के लिए अपने विचार साझा करने के लिए भी आमंत्रित किया।

हमें अपने सुझाव यहां दें

कोटा रैली यहां देखें

युवाओं के साथ

11 मई

NEET 2026 परीक्षा में पेपर लीक को रोकने में नाकाम रहने और लाखों छात्रों की कड़ी मेहनत को बेकार करने के लिए सरकार की आलोचना की।

16 मई

NEET पेपर लीक और परीक्षाओं में बार-बार हुई गड़बड़ियों के मद्देनजर केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफ़े की मांग की।

27 मई

CBSE की ऑन-स्क्रीन मार्किंग प्रक्रिया में गड़बड़ी पर सवाल उठाए और स्वतंत्र जांच की मांग की।

27 मई

NEET अभ्यर्थियों से बातचीत कर पेपर लीक तथा परीक्षा की निष्पक्षता से जुड़ी उनकी चिंताओं को सुना।

31 मई

CBSE के छात्रों से मुलाकात की जिन्होंने मूल्यांकन में हुई गलतियों पर सवाल उठाए और परीक्षा प्रणाली में जवाबदेही की मांग की।

02 जून

छात्र व्हिसलब्लोअर सार्थक सिद्धांत से मुलाक़ात की, जिन्होंने CBSE की टेंडर और मूल्यांकन प्रक्रिया में गड़बड़ियों का खुलासा किया था।

17 जून

कोटा की एक बड़ी रैली में शिक्षा व्यवस्था में सुधार के लिए छात्रों की गूंज आंदोलन की शुरुआत की।

विपक्ष के नेता के तौर पर

दो साल

जब राहुल गांधी ने विपक्ष के नेता का पद संभाला, तो उन्होंने कहा कि इस पद के साथ न्याय करने का मतलब होगा- लोगों की आवाज़ को बुलंद करना और संविधान की रक्षा करना।

पिछले दो सालों में, उन्होंने लोकतंत्र, सामाजिक न्याय, आर्थिक अवसरों और भारत के राष्ट्रीय हितों के बचाव के लिए आवाज़ उठाई है। उन्होंने जातिगत जनगणना की मांग करने और वोट चोरी का मुद्दा उठाने से लेकर छात्रों, किसानों, मज़दूरों और बहुजन समुदायों के साथ खड़े होने तक, कई अहम कदम उठाए हैं।

अपने कार्यकाल के आने वाले सालों में भी, राहुल गांधी प्यार की राजनीति को आगे बढ़ाना और संविधान की रक्षा करना जारी रखेंगे।

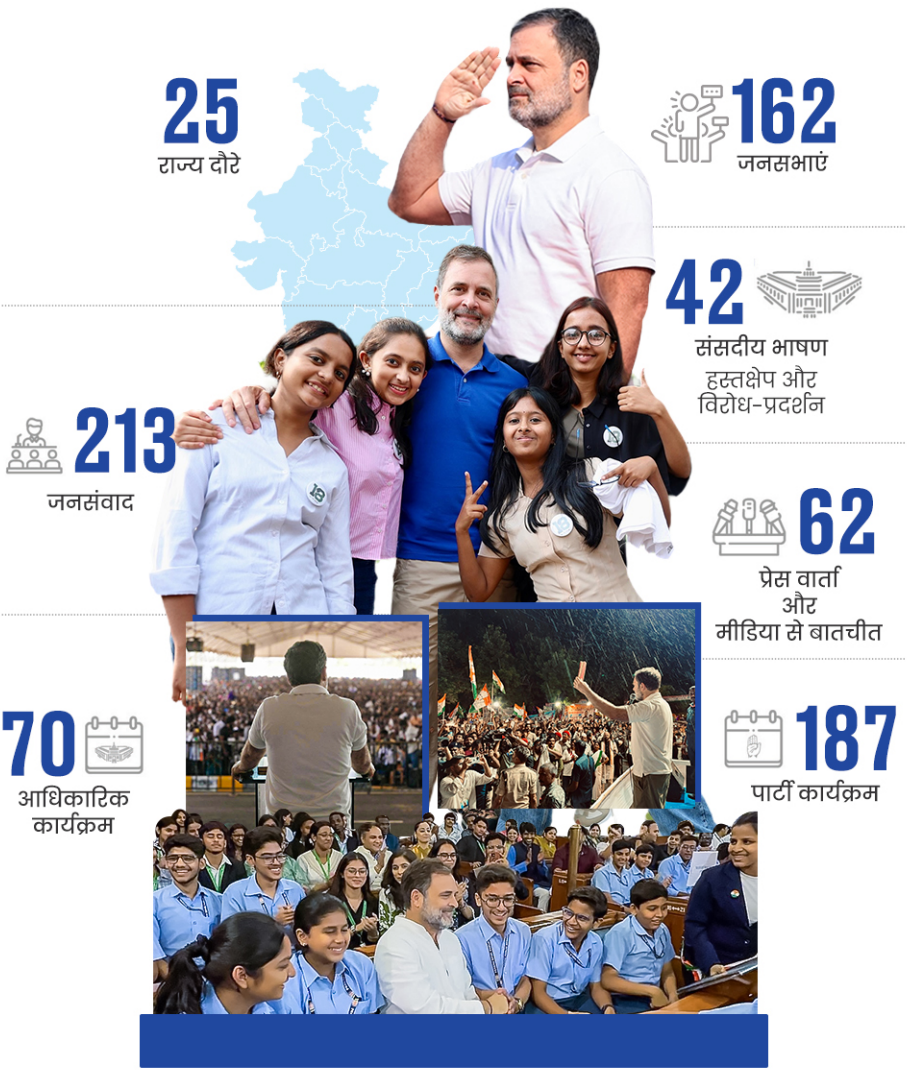

प्रतिज्ञा 1

सामाजिक न्याय की लड़ाई

जाति जनगणना की लड़ाई को जारी रखना

कांग्रेस और बहुजन कार्यकर्ताओं के सालों के दबाव के बाद भाजपा सरकार को मजबूरन जातिगत जनगणना का ऐलान करना पड़ा। राहुल गांधी ने इस फैसले का स्वागत किया।

10 साल, लेकिन न्याय नहीं

ऊना कोड़ेकांड के पीड़ितों से बातचीत करते हुए राहुल गांधी ने कहा कि एक दशक बीत जाने के बावजूद उनका दर्द कम नहीं हुआ है और बहुजन समुदायों के लिए न्याय अब भी अधूरा है।

महिलाओं की नेतृत्व क्षमता का सम्मान

केरलम की युवा छात्राओं से बातचीत में राहुल गांधी ने कहा कि महिलाएं बदलाव लाने वाली सबसे बड़ी ताकत हैं।

बहुजन छात्रों के साथ

राहुल गांधी दरभंगा के अंबेडकर वेलफेयर हॉस्टल पहुंचे और बहुजन छात्रों से शिक्षा और हॉस्टल सुविधाओं को लेकर उनकी समस्याएं सुनी। पुलिस ने उन्हें रोकने की कोशिश की, फिर भी वे छात्रों से मिले।

प्रतिज्ञा 2

वोट चोरी का खुलासा

वोट चोरी का पर्दाफाश

राहुल गांधी ने एक बड़े चुनावी घोटाले का पर्दाफाश किया। उन्होंने बताया कि 2024 के लोकसभा चुनावों के दौरान बेंगलुरु सेंट्रल के महादेवपुरा क्षेत्र में एक लाख से अधिक फर्जी वोटर जोड़े गए थे।

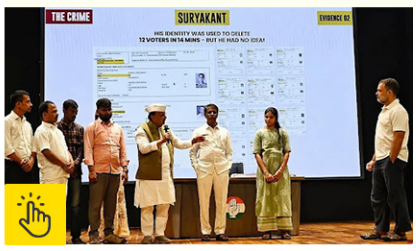

वोट चोरी की फैक्ट्री का खुलासा

राहुल गांधी ने वोट चोरी के एक व्यवस्थित और केंद्रीयकृत तंत्र को उजागर करते हुए दिखाया कि कैसे कर्नाटक के आलंद में मतदाताओं के नाम हटाने की कोशिश की गई और महाराष्ट्र के राजुरा में फर्जी मतदाताओं को जोड़ा गया।

ऑपरेशन सरकार चोरी को सामने लाना

राहुल गांधी ने बताया कि किस प्रकार हरियाणा का चुनाव कांग्रेस पार्टी से छीन लिया गया। उन्होंने चुनाव आयोग और बीजेपी की मिलीभगत को साबित किया, जिसने जनता के जनादेश को नज़रअंदाज़ किया।

प्रतिज्ञा 3

लोगों की बात सुनना

लालच नहीं, हरियाली

राहुल गांधी ने ग्रेट निकोबार प्रोजेक्ट को लेकर स्थानीय लोगों की चिंताओं को खुद समझने के लिए अंडमान और निकोबार का दौरा किया। उन्होंने बताया कि यह प्रोजेक्ट असल में अडानी के लिए ज़मीन हथियाने की एक कोशिश है, जिससे नाज़ुक इकोसिस्टम, सालों पुराने जंगल और आदिवासी समुदायों की आजीविका बर्बाद हो जाएगी।

अन्यायपूर्ण परिसीमन को हराना

संसद में बोलते हुए राहुल गांधी ने कहा कि सरकार का महिला आरक्षण बिल महिलाओं के सशक्तिकरण के लिए नहीं था, बल्कि यह परिसीमन की एक कवायद थी। इसके पीछे मकसद दक्षिण भारत, पूर्वोत्तर और छोटे राज्यों के अधिकारों को कमजोर करके भारत के राजनीतिक नक़्शे को बदलना था।

गरीब चुकाते हैं कीमत

ऑटो-रिक्शा ड्राइवरों के साथ खाना खाते हुए राहुल गांधी ने पूछा कि पश्चिम एशिया के मौजूदा संकट का उनकी रोजी-रोटी पर क्या असर पड़ा है। उन्होंने बताया कि ईंधन की बढ़ती कीमतों, ठहरी हुई कमाई और सामाजिक सुरक्षा की कमी से उनके परिवार का गुजारा करना मुश्किल होता जा रहा है।

प्रतिज्ञा 4

भारत के साथ खड़ा होना

प्रधानमंत्री ने समझौता कर लिया है

संसद में बोलते हुए राहुल गांधी ने कहा कि प्रधानमंत्री ने ट्रेड डील के ज़रिए भारत के हितों को अमेरिका के सामने दांव पर लगा दिया है। इससे हमारी ऊर्जा सुरक्षा और किसानों को नुकसान पहुँचा है। उन्होंने कहा कि मोदी अमेरिकी कानूनी कार्रवाई से गौतम अडानी और अपराधी जेफ़री एपस्टीन के साथ हरदीप पुरी के संबंधों को बचा रहे हैं।

भारत की अर्थव्यवस्था को मजबूती देते हुए

राहुल गांधी ने हरियाणा में कपड़ों की एक फ़ैक्ट्री का दौरा किया और चेतावनी दी कि अमेरिका का ऊँचा टैरिफ़ भारत के टेक्सटाइल निर्यात पर बुरा असर डाल रहा है। उन्होंने कहा कि टैरिफ़ का झटका, साथ ही बढ़ती ग्लोबल प्रतिस्पर्धा और सरकार से कमज़ोर समर्थन, फ़ैक्ट्रियों और नौकरियों को खतरे में डाल रहे हैं।

आर्थिक तूफान पर आगाह करते हुए

राहुल गांधी ने चेतावनी दी कि भारत आर्थिक संकट की ओर बढ़ रहा है, जबकि सरकार इसके लिए तैयार नहीं है। उन्होंने आम परिवारों की मुश्किलों को दूर करने के बजाय प्रचार पर ध्यान देने के लिए प्रधानमंत्री मोदी की आलोचना की।

न्यूज़लेटर को **सब्सक्राइब** करने के लिए यहां क्लिक करें